This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **9466**

Unique Paper Code : **2203600025**

Name of the Course : **B.Sc. (Pass) Home Science NEP-UGCF**

Name of the Paper : **Theoretical Perspectives of Human Development**

Semester : **VII**

Duration : **3 Hours**

Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *five* questions in all.

Each question carries equal marks.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Define theory. Explain the essential components and characteristics of a good theory with suitable examples from the field of human development. 8,10

सिद्धांत की परिभाषा दीजिए। मानव विकास के क्षेत्र से उपयुक्त उदाहरणों सहित एक अच्छे सिद्धांत के आवश्यक घटकों और विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

2. Evaluate the role of philosophical paradigms (Positivism, Interpretivism, Constructivism) in theory building. How do they shape the process and purpose of theorizing ? 9,9

सिद्धांत निर्माण में दार्शनिक प्रतिमानों (Philosophical Paradigms) जैसे सकारात्मकवाद (Positivism), व्याख्यावाद (Interpretivism), और निर्माणवाद (Constructivism) की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। वे सिद्धांत निर्माण की प्रक्रिया और उद्देश्य को किस प्रकार आकार देते हैं ?

3. Explain the theory of Self and its key concepts. How do different theories of self contribute to understanding human development ? Discuss the relevance of these ideas in the social and cultural context of India. 8,10

स्व के सिद्धांत और इसके मुख्य विचारों की व्याख्या कीजिए। विभिन्न स्व सिद्धांत मानव विकास को समझने में कैसे योगदान देते हैं ? भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ में इन विचारों की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

4. Describe the major tenets of the Life Course Perspective. How does this theory integrate biological, psychological and social dimensions of development ? 9,9

जीवन-पथ दृष्टिकोण के प्रमुख सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। यह सिद्धांत विकास के जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आयामों को कैसे एकीकृत करता है ?

5. Discuss Freud's Psychosexual Theory of development. Explain its stages and highlight its relevance and limitations in understanding personality development. 9,9

फ्रायड के यौन-मनोवैज्ञानिक विकास सिद्धांत की चर्चा कीजिए। इसके चरणों की व्याख्या कीजिए और व्यक्तित्व विकास को समझने में इसकी प्रासंगिकता और सीमाओं को उजागर कीजिए।

6. Explain how the Dynamic Systems Theory provides a holistic framework for understanding the continuous interaction between person and environment in development. 18

यह स्पष्ट कीजिए कि गतिशील तंत्र सिद्धांत किस प्रकार व्यक्ति और परिवेश के बीच निरंतर अंतःक्रिया को समझने के लिए समग्र रूपरेखा (holistic framework) प्रदान करता है।

7. Analyze Vygotsky's concept of the Zone of Proximal Development (ZPD). How does it enhance our understanding of learning and cognitive growth ? 9,9

वाइगोत्स्की की समीपवर्ती विकास क्षेत्र की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। यह हमारी सीखने और संज्ञानात्मक विकास की समझ को किस प्रकार सशक्त बनाती है ?

8. Write short notes on any *three* of the following : 6,6,6

(*a*) Relationship between phenomenon and theory

(*b*) Bandura's concept of observational learning

(*c*) Differentiate between classical conditioning and operant conditioning

(*d*) Vygotsky's socio-cultural theory of development

(*e*) Constructivist Perspective.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) घटना और सिद्धांत के बीच संबंध

(ख) बैंडुरा का अवलोकनात्मक अधिगम का सिद्धांत

(ग) शास्त्रीय संस्करण और क्रियात्मक संस्करण में भिन्नता

(घ) वाइगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक विकास सिद्धांत

(ङ) निर्माणवादी दृष्टिकोण।